

## प्रदेश के 55 अस्पतालों को मलिंगा भूकंपरोधी कवच

### चर्चा में क्यों?

5 जुलाई, 2023 को उत्तराखण्ड के मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु की अध्यक्षता में हुई उच्चआधिकार प्राप्त समिति की बैठक में बताया गया कि प्रदेश में आपदा प्रबंधन न्यूनीकरण के तहत अस्पतालों को भूकंपरोधी कवच से लैस किया जाएगा। पहले चरण में 55 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया है।

### प्रमुख बिंदु

- अस्पतालों को भूकंपरोधी कवच से लैस करने की शुरुआत पर्वतीय क्षेत्रों के दूरस्थ क्षेत्रों में स्थिति 55 प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी व पीएचसी) से होगी। भूकंपरोधी भवन बनाने के तहत इन 55 स्वास्थ्य केंद्रों के भवनों की रेट्रोफिटिंग की जाएगी।
- उत्तराखण्ड डिजास्टर रिकवरी प्रोजेक्ट (यूडीआरपी) के तहत वर्ल्ड बैंक इसके लिये 38.78 करोड़ रुपए खर्च करेगा।
- वदिति है कि चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से प्रदेश में पुराने और जरूरत हो चुके स्वास्थ्य केंद्रों के उद्धार का प्रस्ताव शासन को सौंपा गया था।
- यूडीआरपी प्रोजेक्ट के तहत प्रदेश में ऐसे कुल 150 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया। उसके बाद वर्गीकरण की प्रक्रिया में इनमें से 90 अस्पताल भवनों का चयन किया गया। इसके बाद अब मुख्य सचिव डॉ. एसएस संधु की अध्यक्षता में 55 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया।
- अब इन स्वास्थ्य केंद्रों की रेट्रोफिटिंग कर इनमें एकदम नया रूप दिया जाएगा। जहाँ पुरानी बिल्डिंग में सुधार की गुंजाइश होगी, उन्हें सुधारा जाएगा, जो भवन जरूरत हालत में हैं, वहाँ नए भूकंपरोधी भवन बनाए जाएंगे।
- इस प्रोजेक्ट के पूरा होने से पर्वतीय क्षेत्रों में जरूरत हालात में पहुँच चुके पीएचसी और सीएचसी नए रंग-रूप में नजर आएंगे, जसिसे प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती देने में मदद मिलेगी।
- प्रदेश में रेट्रोफिटिंग के लिये कुल 90 सीएचसी और पीएचसी का चयन किया गया है। इनमें अल्मोड़ा के सात, बागेश्वर के चार, चमोली के नौ, चंपावत के चार, देहरादून के आठ, हरद्वार के सात, पौड़ी के 12, पथौरागढ़ के सात, रुद्रप्रयाग के छह, टहरी के 10, ऊधमसहिनगर के छह और उत्तरकाशी के 10 स्वास्थ्य केंद्रों का चयन किया गया है। इनमें से पहले चरण में 55 स्वास्थ्य केंद्रों का उद्धार किया जाएगा।

